श्री द्वा० ना० तिवारी : नार्थ बिहार ?

श्री मोरारजी देसाई : नार्थ बिहार की भी ऐसी ही स्थिति है यू० पी० और बिहार, ये दोनों साथ हैं। ये दोनों जमींदारी हिस्से थे। इसीलिये वहां काम कम होता है। केन्द्र इसमें क्या करेगा ? वहां जिन को काम करना है, उन के पीछे लगने के बजाये यहां हमारे पीछे लगते हैं। वहां पर काम ज्यादा जोर से बढ़ाना चाहिये। वहां कोई कम पैसे नहीं दिये हैं। उत्तर प्रदेश को हर एक योजना में हम ज्यादा पैसे देते जाते हैं। चार छः महीने पहले मैंने वहां के मुख्य मंत्री को लिखकर बताया था कि हम क्या-क्या करते हैं। मगर वहां पर जो काम करना है, वह तो हम जा कर नहीं कर सकते हैं। वह तो वही कर सकते हैं। इसलिए माननीय सदस्य हमें कहने के बजाये वहां जा कर ज्यादा कहें, तो इसका फायदा जरूर पहुंचेगा। इस काम में मैं भी साथ देने के लिए राजी हूं। मैं कुबूल करता हूं कि वह हम सब का काम है, मगर जहां से काम करना चाहिये, अगर वहां से न करें, तो वह काम नहीं होगा।

श्री द्वा० ना० तिवारी : जैसे उत्तर प्रदेश के चार जिलों के लिए कमीशन बना कर इन्क्वायरी हुई, वैसे ही नार्थ बिहार के लिये भी एक कमीशन बनाकर सरकार जांच करे कि वहां पर कितनी आमदनी पर कैपिटा है।

श्री मोरारजी देसाई : कमीशन बनाने में भी जरा सोचना चाहिये। माननीय सदस्य को जरूरत हो, तो वह कमीशन बनाने के लिये जरूर करेंगे, मगर अगर कोई दूसरा कमीशन बनेगा, तो कहेंगे कि ढील में डालने के लिए कमीशन बनाया जा रहा है। मैं हमेशा ऐसी बात सुनता रहता हूं। सिर्फ कमीशन से काम नहीं होने वाला है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों के लिए जो कमीशन बैठा था, उससे भी कुछ नहीं हुआ। मैं यह बात बार-बार सुनता हूं। कमीशन की जरूरत नहीं है।

यह बात साफ है कि जो नीचे के तबके के लोग हैं, जिन को ज्यादा परेशानी है, उनके लिए हमें कुछ न कुछ करना चाहिए, मगर वह करने के लिए वहां पर कार्यकर्त्ता कुछ काम उठायें, ज्यादा सहकार से कुछ काम शुरू करें, सहकारी संस्थायें बना कर उन की मार्फत काम करें, तो हम उनको भी पैसे दे सकते हैं। उनकी मार्फत वहां पर उद्योग भी लगाये जा सकते हैं। लेकिन अगर हर एक काम के बारे में कहा जाये कि सरकार ही करें, तो सरकार कहां से करेगी ? सरकार के लिए करना बिल्कुल मुमकिन नही है। अगर वहां पर छोटे-छोटे उद्योगों के बारे में प्रबन्ध किया जाये, तो केन्द्रीय सरकार की ओर से उसमें हम जितनी मदद कर सकते हैं, उतनी हम जरूर करेंगे।

मैं सब साथियों को उनकी हमदर्दी और मेहरबानी के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

MR. DEPUTY—SPEAKER : The question is :

"That the Bill as amended be passed.

The motion was adopted.

———

18.29 hrs.

*SITUATION IN EASTERN FORNTIER AREAS

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : उपाध्यक्ष महोदय, यह आध घंटे की बहस ईस्ट्रन फ्रन्टियर एरियाज के बारे में हैं। आज सुबह भी प्रधान मंत्री महोदय ने बताया कि उन्होंने जो नीति अपना रखी है, उस से लाभ हुआ है और नागालैंड और आसाम में हालत सुधरी है। मेरा यह कहना है कि वहां हालात सुधरी नहीं है, बल्कि वहां पर हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है और एक एक्सप्लासिव सिटुएशन डेवेलप हो रही है। इतना ही नहीं कि नागा विद्रोहियों का चीन और पाकिस्तान

*Half An Hour Discussion.

[श्री कंवर लाल गुप्त]

के साथ कालूजन है, बल्कि पाकिस्तान के जरिये से उनका सम्बन्ध पुर्तगाल श्रौर ईस्ट अफ्रीका के साथ भी हो गया है। यह बात अखबारों में आई है कि उनका सम्बन्ध पुर्तगाल के लोगों और सरकार से हो गया है।

18.30 hrs.

[Shri Thirumala Rao *in the Chair*]

और उनको पाकिस्तान के जरिये से, पुर्तगाल के जरिये से, आर्म्ज मिलते हैं। पाकिस्तान स्वयं भी देता है और चीन भी देता है, इस तरह से कई देशों से उन्हें हथियार मिलते हैं और ट्रेनिंग भी दी जाती है। इतना ही नहीं, सभापति जी, हिन्दुस्तान स्टैण्डर्ड के 27 मार्च के अंक में लिखा है मैं इसको पढ़कर सुनाता हूं—

> The underground have secured a sizeable quantity of modern weapons including morters, rocket launchers and automatic machine guns. The source of supply is believed to be China, although the weapons bore British and American markings. They are stated to have been captured by the Chinese in Korea. The strength of the present underground army is stated to be about 10,000. If the recruitment drive continues unhampered it may rise to 20,000"

सभापति जी, वहां पर इस समय 10 हजार सेना उनकी है-- जो ट्रेन्ड है। इस अखबार का यह भी कहना है कि अगर इसी तरह से चला तो उस की संख्या 20 हजार हो जायेगी। इतना ही नहीं, वहां जो रेबल नागाज हैं उनके पास रेडियो सेट्स हैं, वायरलेस हैं, एन्टी एयर क्राफ्ट गन्ज भी हैं। यह स्थिति एक तरफ है और दूसरी तरफ आसाम में खुद चव्हाण साहब ने माना है, जब गोहाटी में दंगे-फिसाद हुए थे, हमारी इंटेलिजेन्स फेल हो गई थी। उन्होंने यह भी माना था कि वहां के नागाओं का लेफ्ट-कम्युनिस्ट लोगों से लिंक है। यह भी माना था कि वहां पर करीब पांच-छः लाख पाकिस्तानी घुसे हुए हैं और यह केन्द्र सरकार असम सरकार को कह रही है कि इन्होंने एक ट्राबिनल बना दिया है, जो फैसला करेगी कि कौन आदमी पाकिस्तान भेजा जाय और किस को यहां की नागरिकता दी जाय और इस तरह से केन्द्र सरकार ने असम सरकार को इस मामले में फ्री हैण्ड नहीं दिया।

सभापति जी, आज यह स्थिति हमारे ईस्ट-फान्टियर्स की है। अगर यही नीति बरती गई, तो हो सकता है कि एक दिन देश का वह हिस्सा हमारे बीच में से चला जाय। हमारी सरकार कुछ कोम्पलेसेन्ट है, कुछ तथ्यों को छिपाना चाहती है। मैंने उस दिन कहा था कि कुछ चीनी और पाकिस्तानी हवाई जहाज वहां नागालैंड में उतरे थे। मैंने इस सम्बन्ध में प्राइम मिनिस्टर को भी चिट्ठी लिखी है और मैंने उनसे कहा भी है कि उन हवाई जहाजों की संख्या दो से ज्यादा थी। मेरे पास रक्षा मंत्री जी की चिट्ठी आई है—वह मुझ से पूछते हैं कि इस इन्फार्मेशन का सोर्स क्या है, बताइये मैं समझता हूं कि उन्होंने इस तरीके से एक फौर्मेल्टिटी पूरी की है। वह इस चीज को जानते हैं, सोर्स उनके पास है, सरकारी मैशनरी उन के पास है। मैं उनको इतना ही बताना चाहता हूं कि वहां पर 26 मार्च के करीब हवाई जहाज उतरे हैं, वहां पर वेली के पास एक कच्चा रन-वे है, जहां पर बड़े-बड़े हवाई जहाज उतर सकते हैं। मेरी सूचना यह है कि वहां पर हमारी मिलिट्री नहीं है, कोई चौकी हो सकती है, जहां दो-चार सिपाही रहते हों। 26 मार्च को प्रातःकाल लगभग 10 बजे कम से कम तीन हवाई जहाज, हैलीकोप्टर नहीं, हवाई जहाज, उतरे हैं और उन्होंने नागाओं के रेबल-लीडर्स को हथियार दिये। मैं जानता हूं, अध्यक्ष महोदय, मैं एक बड़ी सीरियस बात कह रहा हूं। उस दिन हमारे मन्त्री महोदय और प्रधान मन्त्री महोदया ने भी कहा था कि मुझे इस बात का सोर्स बताना चाहिए। मैं भी इस बात को मानता हूं लेकिन जब मैं यह देखता हूं कि यह

सरकार वस्तु स्थिति को छिपा कर एक गलत तस्वीर देश के सामने खींचना चाहती है, तो मैंने यह समझा कि कम से कम मैं अपने फर्ज को निभाऊं—राष्ट्रीय दृष्टिकोण से ताकि सब को पता चल सके कि आज हमारे देश के उस हिस्से की कैसी एक्सप्लोसिव सिचुएशन है और इस वजह से मैंने उस बात को यहां पर बताया......

SHRI R. BARUA (Jorhat): What is the name of the place where they had landed?

श्री कंवर लाल गुप्त : वह जगह शहर के अन्दर नहीं है, वेली के नीचे एक कच्चारन-वे है। अगर स्थिति इसी प्रकार चलती रही तो साल या छः महीने में जो स्थिति डवलप होगी, तब यह सरकार जो गलत बयानियां करती रही है, वह सब के सामने आ जायेगी और जो सही चीजें हैं, उन का पता लग जायेगा।

मैं एक चीज और कहना चाहता हूं। मेरी इन्फर्मेशन यह है कि वहां पर पाकिस्तानी और चीनी हवाई जहाज आते हैं, उन की तरफ से वायोलेशन होता है, यहां तक कि शीलांग में भी होता है, नागालैंड में तो होता ही रहता है। उन हवाई जहाजों ने नागालैंड के जंगलों में हथियार ड्रौप किये हैं और उन में से कुछ हथियार हमारी सेनाओं ने भी पकड़े हैं, लेकिन हमारी सरकार उस को दबाना चाहती है। क्यों दबाना चाहती है? इसलिए कि वहां पर जो मिशनरीज हैं, फौरन-मिशनरीज हैं, उनका सम्बन्ध पाकिस्तान के मिशनरीज के साथ हैं और इस तरह से वे पाकिस्तान के जरिये अमरीका के साथ जुड़े हुए हैं, इस तरह से अमरीका व्हाया पाकिस्तान हमारे ऊपर इनफ्लूएन्स करना चाहते हैं और यह सरकार अमरीकी दबाव में आकर वहां कुछ नहीं करना चाहती है।

इन्होंने रेबल्ज के साथ जो एग्रीमेन्ट किया हुआ है, जो देशद्रोही हैं यही सरकार है जो कहती है कि हमने देशद्रोह करने वालों के साथ एग्रीमेन्ट किया हुआ है, सीज-फायर एग्रीमेन्ट किया हुआ है-कितने बड़े शर्म की बात है। अगर वे यह कहें कि हम इस देश के साथ रहना चाहते हैं, तब आप एग्रीमेन्ट करें तो कुछ माना भी जा सकता है, लेकिन वह तो इस देश के साथ रहना ही नहीं चाहते हैं। आप रोज अखबारों में पढ़ते हैं-200 लोग चले गये, हथियार ले कर आ गये। जब अखबारों के कारसपोन्डेन्ट्स सब बातों का पता लगा सकते हैं, इतने आदमी गये, इतने ट्रेनिंग लेकर आ गये-आपको याद होगा अभी इन की कान्फ्रेन्स हुई थी, उन्होंने अपना आजादी का झण्डा लहराया, यह किया, वह किया, जिस तरह से आल इण्डिया कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन का कवरेज होता है, उसी तरह से इस सो काल्ड फेडरल गवर्नमेंन्ट आफ नागालैंड का का कवरेज हुआ, को भी अखबार का कारसपोन्डेन्ट वहां जा का देख सकता है। इस समय जो नागालैंड की गवर्नमेंन्ट है, वह तो नाम की गवर्नमेंन्ट है, उस का कोई इफैक्टिव कन्ट्रोल नहीं है, कुछ यहां केन्द्र सरकार की गलत नितियों की वजह से वह बिल्कुल ही इनएफैक्टिव बना दी गई है, इस तरह की सरकार बना दी गई है कि बैठे हैं, कुछ कर नहीं सकते। मैं आपके जरिये से यह मांग करना चाहता हूं-मैं जानता हूं कि यह सरकार उन सब चीजों को डिनाई करेगी, यह कहेगी कि ये फाल्ज एलीगेसन्ज हैं, सबूत दीजिये मैं आप से पूछता हूं कि क्या आपके पास वह कच्चा रन-वे है या नहीं है-बतलाइये?

प्रतिरक्षा मन्त्री (श्री स्वर्ण सिंह) : कहां है, कौन सी जगह है?

श्री कंवर लाल गुप्त : नागालैंड में वैली के नीचे है। उस दिन कई सदस्योंने कहा था कि वहां कोई ऐसी जगह नहीं है जहां बड़े हवाई जहाज उतर सकते हैं। मैं आपसे पूछता कि नागालैंड में कोई बड़ा अड्डा जहां पर हवाई जहाज उतर सकते हैं-- है या नहीं है?

SHRI R. BARUA: No, no.

श्री कंवर लाल गुप्त : Let him deny it. दूसरी चीज—मैं चाहता हूँ कि यह सदन एक पार्लियामेन्ट्री कमेटी वहां भेजे, जो वहां लोगों से मिले, बातचीत करे और मालुम करे कि नागालैंड की स्थिति क्या है। अगर वहां पार्लियामेन्ट के मेम्बर जायेंगे तब यह सारी चीज, ये सारे तथ्य साबित हो जायेंगे।

सभापति जी, मेरी मांग है कि यह जो आपने सीज फायर किया है, इस को रद्द कीजिये, अगर इस देश को रहना है, अगर अच्छा एडमिनिस्ट्रेशन चलाना है तो आप ऐसा निश्चय कीजिये, इस तरह की ढीली नीति को खत्म कीजिये। आज वहां सिक्योरिटी फोर्स के लोग 100 गज से परे नहीं जा सकते हैं, वे जंगलों में आपरेशन नहीं कर सकते हैं क्या यह ठीक है ? क्यों नहीं कर सकते ? आज रेबल नागाज़ इस सीज-फायर का मिसयूज कर रहे हैं, ट्रेनिंग के लिये, अपनी ताकत बढ़ाने के लिये, अपने कन्सेन्ट्रेशन के लिये वे इस का मिसयूज कर रहे हैं। मेरा कहना है कि आप इस को बन्द कीजिये। मिलिट्री को पूरे अख्तियार दीजिये उस के काम में रुकावट मत डालिये, इस तरह से रुकावट डालना वह अपना अपमान समझते हैं। मन्त्री महोदय कहते हैं कि वहां टैरेन हैं, पहाड़ हैं, मिलिट्री इन सब चीजों को नहीं समझती-छोटे टैरेन हैं या बड़े टैरेन हैं, आप उन को कह दीजिये कि हम यहां सफाई चाहते हैं। जो रेबल्ज हैं, जो देशद्रोही हैं, उन के साथ हमें कोई प्यार नहीं है और मैं समझता हूँ कि अगर आप मिलिट्री को पूरे अख्तियार देंगे तो यह चीज क्लिअर की जा सकती है। लेकिन फौरन-प्रेसर आपके रास्ते में आ रहा है। अगर बंगाल में झगड़ा होता है, तब आप मिलिट्री को बुला लेते हैं, उस में बदनामी नहीं होती है, कम्यूनल रायेट्स होते हैं, तब मिलिट्री को बुला लेते हैं, उसमें बदनामी नहीं होती है, लेकिन जहां पर देश की सिक्योरेटी को खतरा है, वहां मिलट्री क्यों नहीं जाती ? उस को वहां पर भेजना चाहिये, उस को फ्री-हैण्ड देना चाहिये। दूसरी मांग मैं यह करना चाहता हूं कि असम गवर्नमेन्ट को इफैक्टिवली काम करने का मौका देना चाहिये। असम में जो पाकिस्तानी घुसे आये हैं—हो सकता है कि वे आपकी पोलिटिक्स को सूट करें, इलैक्शन में वे आपको वोट दें, लेकिन पार्टी तभी रहेगी, जब देश होगा। इसलिये आसाम की गवर्नमेन्ट को आप कहिये कि जो लोग इन्फिल्ट्रेशन करके पाकिस्तान से आये हैं उनको वहां से ढ़केल दें, उन के साथ कोई सिम्पैथी नहीं होनी चाहिये, और जो सही नागरिक हैं चाहे वे हिन्दु हों या मुसलमान हों उनको रहने दिया जायेगा और जो आपने ट्रिब्यूनल की बात कही-नन्दा जी ने पहले यह ट्रीब्यूनल की बात इन्ट्रोडयूस की थी-उसका कोई तर्क नहीं है। इस चींज को वापस लेना चाहिये।

दूसरी चीज यह है कि पाकिस्तान और चीन जिस तरीके से मदद करता है, तो पाकिस्तान और चीन को भी बता देना चाहिये कि यह होस्टाइल ऐक्ट है। पाकिस्तान को बता देना चाहिये कि यह ताशकन्द एग्रीमेन्ट के खिलाफ है, एक-तरफा गाड़ी नहीं चलेगी, अगर आप वायलेशन करते हैं तो हम भी ताशकन्द एग्रीमेन्ट को मानने वाले नहीं हैं। फिर हमें भी उसी तरह के रिटैलिएट्री स्टेप्स उठाने चाहिये।

आखिर में मैं चाहूंगा कि यह जो बात मैंने कही है आप चाहे इसे डिनाई करें लेकिन कम से कम भगवान के लिये, इस देश की रक्षा के लिये, वहां पर जो एक्स्प्लोजिव सिचुएशन है, उस के खिलाफ कुछ सख्ती से कार्यवाही कीजिये और हमें विश्वास दिलाइये कि तीन महीने में, 6 महिने में, जो प्राब्लम आसाम में है, नागालैंड में है और एक हिस्से में त्रिपुरा में है, उसको कन्ट्रोल में कर देंगे। अभी तो नागाओं में कम्यूनिस्ट होस्टाइल ऐक्टिविटीज के सम्बन्ध में आप हर जगह कह देते हैं कि सब ठीक है लेकिन किसी भी नागा लीडर ने चाहे आपस में उनकी लड़ाई हो गई हो यह नहीं कहा है कि भारत में रहना चाहते हैं। एक नागा लीडर ने

भी ऐसी बात नही कही है और आज प्रधान मन्त्री ने इस बात को माना है । स्वर्ण सिंह जी का कांग्रेस पार्टी से झगड़ा हो जाये तो भी वह जनसंघ को वोट देने वाले नहीं हैं, कैबिनेट में खूब झगड़ा होता है लेकिन उसका मतलब यह तो नहीं की वे जनसंघ के साथ आ गये । लेकिन आप यही समझते हैं कि अगर उनका आपस में झगड़ा हो गया तो वे हमारे साथ आ गये । आप वहां पर राष्ट्रीयता का स्कूल तो नहीं खोल रहे हैं । उनके दिल और दिमाग में चीन ने, पाकिस्तान ने, पुर्तगाल ने और साउथ अफ्रीका ने एक तस्वीर बना रखी है । वहां दुनिया की पालिटिक्स का, अनसोशल एलिमेन्ट्स का अड्डा बन गया है । इसलिये इसमें किसी पार्टी का सवाल नहीं होना चाहिये । देश की सुरक्षा आप को भी उतना ही प्यारी है जितनी कि हमें हैं । उसका ठेका केवल हमारा ही नहीं है ।

इसलिये मैं प्रार्थना करता हूँ कि वह बतायें कि क्या कदम उठाना चाहते हैं ताकि देश के लोग जो इस क्षेत्र के बारे में चिन्तित हैं उनकी चिन्ता दूर हो सके ।

SHRI SRADHAKAR SUPAKAR (Sambalpur) : Last year, in the month of July or August, it was widely reported in the newspapers that some flying saucers have landed in Assam. Again in the month of March this year, it is reported that some aeroplanes have landed there in Nagaland. Now, there is no knowing whether this thing, about the landing of these aeroplanes, was ever reported although the press has given news about the landing of such things in Assam last year. I want to know this : when a demand is made by many Members of this House from either side that the Government should take a hard line with the Nagas, the reply is that they are after all our brothers, and we must treat them in a way that we can win them over. Government also said that more and more hostile Nagas have been won over. But on the other hand, we hear that the hostile Nagas are creating all sorts of disturbances. Will the hon. minister assure us that every effort is being made to see that the influence of the friendly Nagas is on the increase and the number and influence of the hostile Nagas are steadinly on the decline and will vanish within a reasonable time ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): Sir, normally a discussion of this nature is sought whenever a member feels that no satisfactory reply has come to any of the questions raised during question time. I am surprised that my hon. friend, Mr. Gupta, thought it necessary to raise this discussion, because when the Starred Question No. 1409 was taken up in this House, we tried to give as complete an answer as possible.

This question of Nagaland has been discussed very often in the House. All the aspects of the Govenment's policy in this regard and the incidents that have taken place there have been discussed on one occasion or other. There is nothing new which can be revealed from the Government side or which hon. members can bring to the notice of the House, except perhaps the incident of the landing of foreign planes in Nagaland, which the hon. member, Mr. Gupta, brought to the notice of the House the other day. That specific issue will be dealt with by my senior colleague, the Defence Minister, a little later. I shall deal with the other questions.

The main criticism of the hon. member is that the situation in Nagaland is not satisfactory, that it is critical and Government are always trying to hide the facts and mislead the House by painting a rosy picture, while the real facts are not revealed to the House. I do not agree with this allegation at all. We have never tried to hide facts or mislead the House. We have always tried to give the factual position in Nagaland. We have not said that the situation there is absolutely satisfactory. We have ourselves said on a number of occasions that it is not satisfactory, that unlawful activities do take place every now and than and reports of robbery and kidnapping are there.

We have also said that whenever any violations of the AGSOP take place, the local authorities take adequate action against those people who violate the provisions of that agreement and the law and order

[Shri Surendra Pal Singh]

situation in Nagaland is well under control. But nonetheless, it is a fact that the situation there is not very satisfactory, and it does cause us a great deal of anxiety.

MR. CHAIRMAN : I may be compelled to close the discussion at 7. The senior Minister also has to reply. If you go on covering the whole policy of the Government on this issue, there will be no time. You should reply to the specific points raised.

SHRI SURENDRA PAL SINGH : Yes, Sir. As I said, there was no attempt on the part of the Government of India to mislead the House in this regard. The factual position is always given to the House. We have said that we do feel anxious about the situation in Nagaland.

Every possible attempt is being made by the Nagaland Government, as well as by the Security Forces, to bring about normalcy in that area as early as possible.

This new development of underground Nagas or some misguided elements seeking help from China is a new factor which has added a new dimension to the whole problem. This is a very serious problem. About that we are also very anxious. As has been said in the past on the floor of this House, every effort is now being made by our security forces to prevent their going out of the country into China or anywherelse for that matter and also to prevent their coming back into the country. Also, as has been said before, because of the vastness of the country, because of the difficult terrain there and because we have not got sufficient number of troops in the border area it is not always possible to seal the border hermetically and completely. However, new efforts are being made to prevent their going out of the country and coming back.

The hon. Member said that Pakistan and China are taking interest in the affairs of Nagaland and are inciting trouble there by giving them help and fire-arms. That is all true. We have admitted it and said so. It is a fact that Pakistan is helping them. We have also said that we have made a protest to Pakistan as to why they are doing this when it is against the Tashkent Agreement. We have pointed out to the Government of Pakistan that such an act is against the spirit of the Tashkent Declaration. They have denied the charge and say that they have nothing to do with it, that they are not giving any help to the Nagas. In fact, they have gone so far as to say that some of these underground Nagas, Mizos etc., from this country are being pushed into their country by our Security forces and that is creating trouble there, and it has become quite a problem for them to prevent these people from entering into their territory. It is for the hon. Member to believe it or not, but this is the reply we have been getting from them.

As regards the policy of the Government of India in regard to Nagaland the hon. Member said that the policy is very complacent, very weak and it is not going to be successful in solving the problem. I beg to differ on that point. I say that the Government's policy has already given dividends in as much as the bulk of the people in Nagaland have already got a stake in peace and stability and many of the underground Nagas have adopted this way of thinking that the solution lies in negotiations, and the whole problem should be settled by negotiations in a peaceful manner rather than by force of arms. It is not correct to say that our policy is incorrect. As I said before, in our view it has already paid dividends and it has proved to be very useful. There is no proposal under the Government of India's consideration to change that policy.

Mention was also made of activities of foreign missionaries in Nagaland. I will not dwell at length on this point because it has already been replied to before. There are no foreign missionaries in Nagaland. There were some in the past but none of them are there now.

Another point made was about the Nagaland Government being ineffective in dealing with the situation over there. It is true that the situation in Nagaland is very difficult and sometimes the local government there find it difficult to have complete control over the situation. Whenever they have asked for help from the Central Government and the security forces that help has been given. Recently there

was a demand for extra police force to meet the situation. That has been met. It is not possible for me to give the details as to how much force has been sent and all that, but whatever demand come from there we try to meet that as far as possible. We are hopeful that they will be in a position to handle the situation as effectively as desired.

The only other main point made was in regard to landing of foreign planes in Nagaland and that will be answered by the Defence Minister.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) : Mr. Chairman, Sir, I have very little to add to what I said on the last occassion. Shri Kanwar Lal Gupta is a well known lawyer. Today he has supplemented his question. He will agree with me if he looks up the record of the proceedings which is the subject matter of the present discussion. Today he said that there is some kutcha landing place in the valley---I do not know whether it is in Assam or in Nagaland.

He says that on the 26th of March, round about 10, at least three planes landed there. Even now about the kutcha landing place and the valley his statement is not at all precise or clear. I would like to say what I said on last occasion—it is nothing new—that any information to the effect that any foreign plane, either Chinese or Pakistani, has landed in any part of Nagaland is absolutely unfounded. I would like to repeat that.

In fact, I requested Shri Kanwar Lal Gupta, not in any formal manner,—he was pleased to remark this was only a formality to ask; it was not a formality—I asked him orally that he should give any information that he may have with him so that I could check it up, cross-check it and recheck it and send someone unconnected with the local command even, to find out what are the real facts. He did not give me any information. He did not mention to me even the date, or place or time. He mentioned them for the first time in the House. I have written to him a letter to which also he has not sent a reply. Of course, he is the best judge of......

SHRI KANWAR LAL GUPTA : It was received only yesterday. I have already sent a letter to the Prime Minister yesterday.

SHRI SWARAN SINGH : But he did not tell me about his letter to the Prime Minister, or anything else. If he has sent a letter to the Prime Minister, it is good enough, because when it is sent to anyone of us, it will be shared by all of us.

But my point is that to make a statement of that type, which causes unnecssary scare or fear, or raises a certain suspicion in the minds of the general public in that area, or people all over the country, to say the least, is not fair, not fair to the country, not fair to this Parliament. After all, every day when there is the slightest variation or slip from us, or supply of information which is not either precise or does not convey the correct picture, on the following day there is some motion that this has been suppressed or that has been suppressed. So, I put it to Shri Kanwar Lal Gupta to ponder over this thing. Did he have this information either about the date or place or the time or about the number of planes when he put this question the other day ? He then made a blank statement that day that he has some information that some planes have landed. I categorically denied it. I followed that up by writing to him a letter; not by way of complaint. The House would be interested to know what I asked him to let me know. All that I said was : you raised this matter and I would like to be enlightened about it so that I might be able to look into this further. I did not enter into a controversy with him. But even to that he has not thought fit to reply. He says he has sent some letter to the Prime Minister.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : I received your letter only yesterday. I will reply.

SHRI SWARAN SINGH : If he had received it yesterday, even then 24 hours were there before him to write a reply.

MR. CHAIRMAN : I will suggest one thing. After the statement of the hon. Minister, Shri Gupta can enlighten the House about what reply he has sent, because he says he has already sent the reply. I will give him an opportunity.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : I have sent the reply to the Prime Minister.

SHRI SWARAN SINGH : I would only appeal to him that in a matter like this, when matters of this nature are sought to be raised on the floor of the House—he is perfectly entitled to raise them ; I am not denying him the privilege of raising these things ; it is for him to decide as to what is in the best interests of the country —and when such allegations of this nature are denied on the floor of the House in a very forthright manner, he should accept them and he should not try to read motives into it saying that we are suppressing facts.

See the logic of the argument of Shri Gupta. He says that planes have probably landed there and because there are foreign missionaries there, these missionaries are connected with Pakistan missionaries and, through them, they are connected with the United States of America and that therefore I am hiding the fact of the Chinese and the Pakistani planes landing in Nagaland. I do not think such an argument calls for any reply.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : He is twisting facts.

9.00 hrs.

SHRI SWARAN SINGH : You read what you said today. This is precisely what you have said.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : Missionaries and landings are two different things. Do not mix the two.

SHRI SWARAN SINGH : He had also said on the last occasion that we were suppressing these facts. I would like to assure this hon. House that if things of this seriousness happen, it is not in the interest of anybody, surely not in the interest of Government, that these facts should be kept back from the House or from the country. I would like to say with all the emphasis at my command that there is no use raising these matters in a half-baked fashion, without being backed by precise information. It is bad for the country ; it is bad for the morable of the people and it is bad for those who are serving there. This type of attitude, I think, is not in the overall national interest, that is to raise issues without adequate material or evidence.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : I have given the date, time and the place. What else does he want ? You are in the Government ; you should inquire.

MR. CHAIRMAN : I can give you one or two minutes' time if you have got anything to say. You have said in your speech that Americans were in touch with some of the missionaries there and were trying to influence the local people and through them, the Government of India to have a softer attitude towards the Naga rebels. That is what I understood you to have said. He has denied it. With regard to the actual landing of planes, Government have completely denied that. All this is going to the press ; therefore, if you have got anything to say on that, I will give you two or three minutes' time.

श्री कंवर लाल गुप्त : सभापति महोदय, मैं ग्राप को धन्यावाद देता हूं कि ग्राप ने मुझे कुछ ग्रौर समय दिया। मैंने तारीख बतलाई है। मैंने यह कहा था उस दिन कि हो सकता है कि हेलिकाप्टर भी हों, ग्राज मैंने कहा कि वह जहाज हैं, वह हेलिकाप्टर नहीं थे। फिर कई मेम्बरों ने उस दिन कहा था कि बड़े जहाज वहां नहीं उतर सकते। मन्त्री महोदय बतलायें कि नागालैंड में बड़े जहाज उतरने की व्यवस्था है या नहीं।

SHRI SWARAN SINGH : This is a geographical fact that Dimapur and Kohima are two aerodromes and I have said that nothing has landed there at all. Now he talks of some kutcha landing place. I do not know where it is. But there has been no landing at all of any Chinese, Pakistani or any foreign plane anywhere.

श्री कंवर लाल गुप्त : दूसरी बात यह है कि तफसील कोई भी ग्रादमी नहीं दे सकता। जो उन्होंने पत्र लिखा है वह मुझे कल मिला। मैं उसका जवाब दूंगा। इस से पहले मैंने प्राइम मिनिस्टर को चिट्ठी लिखी है कि यह तफसील है, इस की इन्क्वायरी करवायें। मैं मानता हूं

कि नैशनल इंटरेस्ट में है। जितना नैशनल इंटरेस्ट का ध्यान मुझ को है उतना ही आप को है और सदन में बैठने वाले दूसरे लोगों को है।

क्रिश्चियन मिशनरीज के बारे में अलग बात कही थी, उसका लैंडिंग से कोई ताल्लुक नहीं है। मंत्री महोदय को जो सूचना मिली वह गलत है।

आखिर में मैंने प्रार्थना की थी और पूछा था कि क्या वह इस पार्लियामेन्ट के कुछ मेम्बरों को वहां भेजेंगे ताकि वहां जा कर और लोगों से बातचीत कर के वहां की हालत का पता लगायें कि आया जो तस्वीर यहां खींची गई है वही है या जो मैंने बतलाया है वह है। मैं ने ड्रापिंग्स के बारे में भी कहा था उसका भी कोई जवाब नहीं दिया गया।

MR. CHAIRMAN : Have you anything to add ?

SHRI SWARAN SINGH : Nothing, Sir, he has not added anything new. About the dropping of arms by planes also, I would like to say that there is absolutely no foundation even in this.

19.04 hrs.

STATEMENT *Re* : PRODUCTION AND MARKETING OF COTTON TEXTILES

MR. CHAIRMAN : Now, Shri Dinesh Singh is to make a statement in regard to the production and marketing of cotton textiles. I find that the statement is fairly long. Will he like to place it on the Table of the House.

SHRI SHIVAJIRAO S. DESHMUKH (Parbhani) : We should be permitted to ask questions.

MR. CHAIRMAN : We see everyday that after a statement is made no questions are permitteds.

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : Sir, with your permission, I lay on the Table of the House the statement that I was proposing to make in regard to the production and marketing of cotton textiles. [*Placed in Library. See* No. LT-1110/68].

19.05 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Thursday, May 2, 1968/ Vaisakha 12, 1890 (Saka).

Printed at Akashdeep Printers 20, Daryaganj, Delhi-6.